ISRO की इस नई लॉन्चिंग से जुड़े हर सवाल का जवाब जानते हैं-

ISRO के अनुसार, GSLV रॉकेट का यह 16वां मिशन है और स्वदेशी क्रायोजॉनिक इंजन का इस्तेमाल करते हुए 10वीं फ्लाइट है। GSLV रॉकेट को 'नॉटी बॉय' का नाम इसलिए मिला है, क्योंकिक्यों इसके फेल होने की दर 40 फीसदी है। इस रॉकेट से अंजाम दिए गए 15 लॉन्च में से 4 फेल हुए हैं।

1. स्पेस एजेंसी के इस मिशन का सफल हो ना GSLV रॉकेट के लिए भी बहुत जरूरी है। इसकी वजह ये है कि GSLV रॉकेट के जरिए इस साल पृथ्वी की जानकारी जुटाने वाली सैटेलाइट NISAR को लॉन्च किया जाएगा। इस सैटेलाइट को अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा और इसरो मिलकर तैयार कर रहे हैं।
2. Naughty Boy' के नाम से मशहूर जी एसएलवी तीन स्टेज वाला रॉकेट है, जिसकी ऊंचाई 51.7 मीटर है। इस रॉकेट के जरिए 420 टन के भार को अंतरिक्ष में भेजा जा सकता है। रॉकेट भारत निर्मित क्रायोजेनिक इंजन का उपयोग करता है और इसरो कुछ और लॉन्चिंग के बाद इसे रिटायर करने की योजना बना रहा है।
3. ISRO की INSAT-3DS सैटेलाइट को अंतरिक्ष से वेदर का हाल बताने के लिए लॉन्च किया जा रहा है। INSAT-3DS सैटेलाइट पहले से ही अंतरिक्ष में मौजूद INSAT-3D (जिसे 2013 में लॉन्च किया गया) और INSAT-3DR (जिसे सितंबर 2016 में लॉन्च किया गया) की जगह लेगी।
4. INSAT-3DS सैटेलाइट का वजन 2,274 किलोग्राम है और इसकी मिशन लाइफ 10 साल है। आसान भाषा में कहें तो ये सैटेलाइट 10 सालों तक इसरो को मौसम में होने वाले हर बदलाव की सटीक जानकारी देती रहेगी।